लिंग बदलिए :-

Std V Hindi Literature Week 7

5. हम भारत की बेटी हैं

इस जोशभरी कविता में बताया गया है, भारत की बेटियाँ दृढ़ निश्चय किए बैठी हैं कि जब तक वे अपने देश को ऊँचा नहीं उठा लेंगी तब तक दम नहीं लेंगी।

हम भारत की बेटी हैं, अब उठा चुकीं तलवार।

हम मरने से नहीं डरतीं
नहीं पीछे पाँवों को धरतीं
आगे ही आगे हैं बढ़तीं
कस कमर हुईं तैयार
हम भारत की बेटी हैं, अब उठा चुकीं तलवार।

हम नए नहीं हैं लड़ाके
देखो इतिहास उठाके
हम क्षत्राणी भारत की
दिखला देंगी निज वार
हम भारत की बेटी हैं, अब उठा चुकीं तलवार।

हम हरगिज़ दम न लेंगी
दुख-दर्द और कष्ट सहेंगी
दुश्मन को चीर धरेंगी
कह रहीं पुकार-पुकार
हम भारत की बेटी हैं, अब उठा चुकीं तलवार।

जब तक बाँहों में बल है
धमनियों में रक्त प्रबल है
दिल में नहीं पलभर कल है
बिना किए देश उद्धार
हम भारत की बेटी हैं, अब उठा चुकीं तलवार।

— अज्ञात

Scanned with CamScanner

अभ्यास के लिए

शब्द-अर्थ

धरतीं	—	रखतीं	वार	—	आक्रमण, हमला
इतिहास उठाकर	—	इतिहास में पढ़कर	हरगिज़	—	बिलकुल
क्षत्राणी	—	क्षत्रिय का स्त्रीलिंग, लड़ाकू, वीर स्त्री के अर्थ में	प्रबल	—	शक्तिशाली
			उद्धार	—	सुधार, उबारना
निज	—	अपना	कल	—	चैन, शांति

मुहावरे —

कमर कसना	—	दृढ़ निश्चय करना
दम न लेना	—	आराम न करना

1. इन प्रश्नों के उत्तर लिखो —

क. कविता में भारत की बेटियों की क्या-क्या विशेषताएँ बताई गई हैं ? ✓ लगाओ —

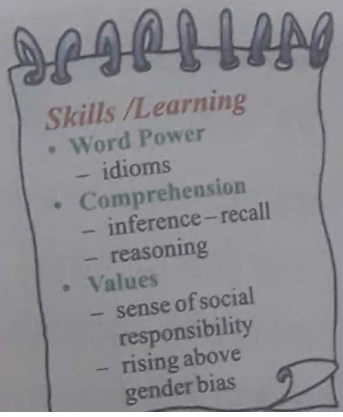

Scanned with CamScanner